मुखड़ा जोगी दा दुरो चमका मारे

मुखड़ा जोगी दा दुरो चमका मारे,
वेखन लइ ओहदा सोहना मुखड़ा चन भी चातिया मारे,
मुखड़ा जोगी दा दुरो चमका मारे,

बाल रूप विच बैठा होया देखो समाधि ला के,
धुप न लग जे पौणाहारी नु सब छा करदे आ के,
ॐ नमो शिवाये दा मन्त्र मुख दे विचो उचारे,
मुखड़ा जोगी दा दुरो चमका मारे,

इस मुखड़े नु वेख के रत्नो ममता दे विच डूभी गई,
धर्म दा पुत्र बना के उस नु विच खुशी दे खूबी गई,
छोटी उम्र विच जोगी होया माँ जाए बलिहारी,
मुखड़ा जोगी दा दुरो चमका मारे,

जिस वाल जोगी तक लवे होर कोई ना आवे,
रोशन रेह्पे वाला इसदियाँ सिफ़्ता लिखदे जावे,
धर्म कोटि गल सिंगी पा के लुटदा फेर नजारे,
मुखड़ा जोगी दा दुरो चमका मारे,

Source: https://www.bharattemples.com/mukhda-jogi-da-duro-chmka-maare/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw